City भास्कर
भोपाल, बुधवार, 19 अप्रैल 2023

एसपीए की पहल • भोपाल के सुनियोजित विकास पर बनाई योजना

स्टूडेंट्स ने बनाया 'पात्रा नदी मॉडल'

YOUTH INITIATIVE

शिवाषीश तिवारी | हाल ही में प्रधानमंत्री ने 49 यूनिवर्सिटीज से एमओयू साइन करके यंगस्टर्स को जल संरक्षण और नदियों का कायाकल्प कैंपेन से जोड़ने का प्रयास किया है। एक ऐसी ही पहल भोपाल शहरीकरण को लेकर स्कूल ऑफ़ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (एसपीए) के स्टूडेंट्स ने की है। लैंडस्केप डिपार्टमेंट के 2021-23 बैच के 19 स्टूडेंट्स ने 'पात्रा नदी शहरीकरण योजना' बनाई है। यह मॉडल रिटायर्ड आईएफएस मनोज मिश्रा, डिपार्टमेंट हेड रमा पांडे और एसोसिएट प्रोफेसर सौरभ पोपली के नेतृत्व में बना है।

मॉडल की खासियत

स्टूडेंट्स ने भोपाल से सटे अरहेड़ी गांव की 110 एकड़ जमीन को चुना, जो पात्रा नदी के पास का इलाका है। यह क्षेत्र अभी तक विकसित नहीं हुआ है। भोपाल डेवलपमेंट प्लान 2031 वॉल्यूम-2 के अनुसार भोपाल की प्लांड एरिया की जनसंख्या 36 लाख होने का अनुमान है। इसके चलते व्यवस्थित शहरीकरण का अपना एक महत्व रहेगा। मॉडल के बारे में बताते हुए एसपीए की स्टूडेंट सौम्या तिवारी ने कहा कि मॉडल का उपयोग नदी से जुड़ी विकास योजना के लिए किया जा सकता है। इससे खत्म होती नदियों को पुनः जीवित किया जा सकेगा। क्योंकि मॉडल में पानी को इकट्ठा करने के लिए वॉटर हार्वेटिंग सहित अन्य टेक्नोलॉजी का प्रयोग किया गया है। शहरीकरण में नालों को पक्का और सकरा बनाया जाता है, जिससे पानी जमीन में नहीं जाता। इससे नदी का इको सिस्टम नहीं बन पाता और नदी सूखने लगती है।

यह मॉडल सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स 2030 को नजर में रखते हुए बनाया गया है। 100 से 150 पॉपुलेशन डेंसिटी के लिए तैयार किए गए इस मॉडल की भविष्य में उपयोगिता बनाए रखने के लिए इसमें मनोरंजन, आवासीय व्यवस्था, स्कूल और हॉस्पिटल सहित अन्य सुविधाओं का समावेशन किया गया है। इससे बेहतर तरीके से शहरीकरण हो पाएगा और नदियां जीवित रह पाएंगी। इसमें क्लाइमेट चेंज और शहरीकरण के कारण बढ़ते तापमान, शहरों में लुप्त होती प्रकृति और खत्म होती जैव विविधता जैसी समस्याओं को दूर करने का प्रयास किया गया है। **सौरभ पोपली,** एसोसिएट प्रोफेसर, एसपीए